# पश्चाताप - 4

**अव्यक्त बापदादा :-**

➳ _ ➳ अपने को और आप निमित बनी हुई आत्माओं की स्टेज को देखते हुए अनुभव करेंगे- बाप ने इन्हों को क्या बनाया! और फिर पश्चाताप करेंगे। अगर यह झलक नहीं देखते तो क्या समझेंगे? इतना समय ज्ञान तो नहीं लेगे जो नालेज से आपको जानें। तो यह प्रैक्टिकल चेहरे से झलक और फलक दिखाई देगी

➳ _ ➳ बाप के तो महावाक्य ही हैं कि मैं बच्चों के आगे प्रत्यक्ष होता हूँ लेकिन विश्व के आगे कौन प्रख्यात होंगे? वह साकार में बाप का कर्तव्य था, प्रैक्टिकल में बच्चों का कर्तव्य है प्रख्यात होने का और बाप का कर्तव्य है बैकबोन बनने का, गुप्त रुप में मददगार बनने का।

➳ _ ➳ इसलिए ऐसे भी नहीं कि जैसे मात-पिता का गुप्त पार्ट चला वैसे ही अन्त तक गुप्त वातावरण रहेगा। जयजयकार शक्तियों की गाई हुई है और 'अहो प्रभु' की पुकार बाप के लिए गाई हुई है।

➳ _ ➳ आप लोग आपस में भी एक दो के अनुभव करते होंगे - जब विशेष अटेन्शन अपने निशाने वा नशा का रहता है, तो भल कितने भी बड़े संगठन में बैठे होंगे तो भी सभी को विशेष कुछ दिखाई जरुर देगा। महसूस करेंगे कि यह समय याद में बहुत अच्छा बैठे।

➳ _ ➳ अभी जो साधारण अटेन्शन है वह बदलकर नैचुरल विशेष अटेन्शन हो जायेगा और चेहरे से झलक-फलक दिखाई देगी। सिर्फ स्मृति को शक्तिशाली बनाना है।
(05.02.1972)

---

➢➢ स्मृति / याद / योग

➳ _ ➳ स्मृति

→ AWARENESS

→ जागरण की अवस्था

➳ _ ➳ याद

→ REMEMBERENCE

➳ _ ➳ योग

→ MEDITATION

---

➢➢ विशेष अटेंशन ( चेतना का सम्पूरण जागरण )

➳ _ ➳ कोई भी कर्म ऐसे करो

→ जैसे **सारा संसार मुझे देख रहा है**

■ और मैं स्टेज पर हूँ

➳ _ ➳ बड़ा अटेंशन एक दम नहीं आएगा

→ छोटे छोटे अटेंशन से शुरुआत करो

➳ _ ➳ स्वयं से बातें करो

→ **अपना ही नाम लेकर अपने से बात करते रहो**

➳ _ ➳ अटेंशन के फायदे

→ योग गहरा होने लगेगा

→ ज्ञान की धारणा होने लगेगी

→ जीवन में अलोकिक रस अनुभव होने लगेगा

→ मूर्छित नहीं होंगे

■ व्यक्ति गिरता तब है जब वह बेहोश होता है... जागरण की अवस्था में नहीं होता है...

---

## ➢➢ ऊंची स्थिति पर बैठने के फायदे

➳ _ ➳ सब कुछ दिखेगा

➳ _ ➳ चीज़ें छोटी दिखाई देती हैं

➳ _ ➳ Mind Open हो जाता है

➳ _ ➳ व्यर्थ से न्यारे हो जाते हैं

➳ _ ➳ उपर भीड़ बहुत कम होती है

➳ _ ➳ ऊंची जगह पर हलचल नहीं होती

---